चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 30 जुलाई 2026, अंक –324.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

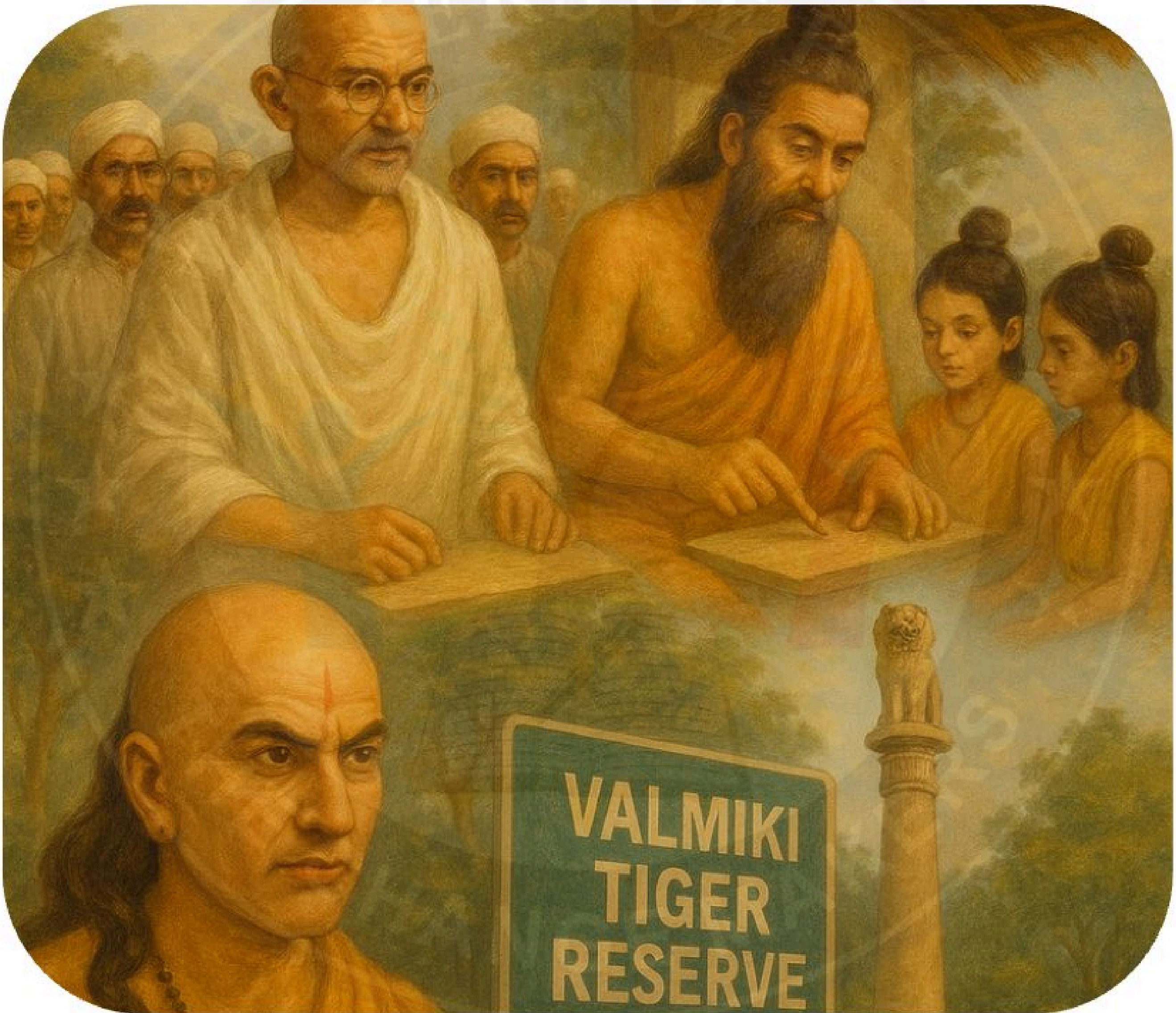

"अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं, जितना सीखने की इच्छा न रखना।"

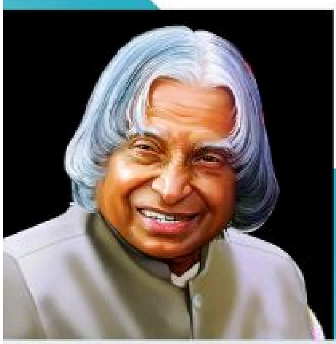

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

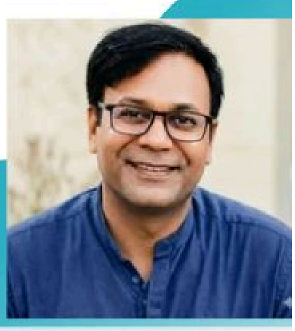

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

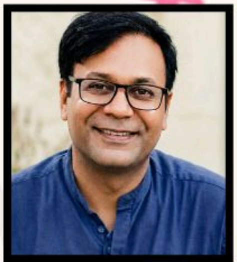

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. पुर्तगाल की राजधानी क्या है?
उत्तर: लिस्बन
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बनने वाली भारतीय मूल की महिला कौन थीं?
उत्तर: कल्पना चावला
प्रश्न 3. 'चेराव' (बांस नृत्य) किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: मिजोरम
प्रश्न 4. 2, 3, 5, 7, 11 में सबसे बड़ी अभाज्य संख्या कौन-सी है?
उत्तर: 11
प्रश्न 5. बिहार का 'महाबोधि मंदिर' किस स्थान पर स्थित है?
उत्तर: बोधगया
प्रश्न 6. गुरु घासीदास (संजय) राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: छत्तीसगढ़
प्रश्न 7. भाप से चलने वाले जहाज का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: रॉबर्ट फुल्टन
प्रश्न 8. भारत के संविधान में 'धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार' किन अनुच्छेदों में दिया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 25–28
प्रश्न 9. 'उपकार' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: अपकार
प्रश्न 10. पृथ्वी की सतह का लगभग कितना भाग जल से ढका है?
उत्तर: 71%

संकलन:-

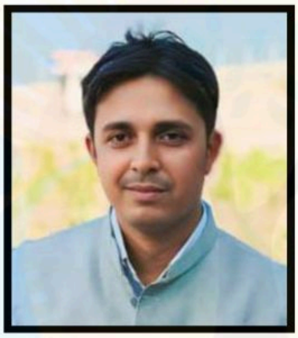

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Body – (बॉडी) – शरीर
Chest – (चेस्ट) – छाती
Arm – (आर्म) – बाँह
Wrist – (रिस्ट) – कलाई
Hand – (हैंड) – हाथ
Leg – (लेग) – टाँग
Foot – (फुट) – पैर

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "क्या हम ... करेंगे?" (Will we ...?)
क्या हम कल पढ़ेंगे? – Will we study tomorrow?
क्या हम तुम्हारी मदद करेंगे? – Will we help you?
क्या हम समय पर आएँगे? – Will we come on time?
क्या हम अपना काम पूरा करेंगे? – Will we finish our work?
क्या हम अंग्रेज़ी सीखेंगे? – Will we learn English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 30 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 30 जुलाई को "विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस" (World Day Against Trafficking in Persons) मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे 2013 में UNGA प्रस्ताव A/RES/68/192 द्वारा घोषित किया। (National Today) UNODC द्वारा 2026 की थीम है: "Trapped behind the scam" — जो साइबर अपराध संचालन में तस्करी पीड़ितों पर केंद्रित है। (National Today) ILO के अनुसार विश्वभर में 2.76 करोड़ से अधिक लोग बंधुआ मजदूरी और जबरन विवाह सहित आधुनिक दासता की स्थिति में हैं। (National Day Calendar) "ब्लू हार्ट अभियान" UNODC की वैश्विक जागरूकता पहल है। भारत में "मानव तस्करी विरोधी इकाइयाँ" (AHTUs) और "POCSO अधिनियम, 2012" इस अपराध से लड़ते हैं।
संदर्भ: UNODC — unodc.org; UN Resolution A/RES/68/192, 2013;

प.2. राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो में 28 जुलाई (दिवस 5) को पुरुष 10,000 मीटर दौड़ में किस भारतीय एथलीट ने रजत पदक जीता? (समसामयिक घटना)
उत्तर: गुलवीर सिंह
व्याख्या: 28 जुलाई 2026 को राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दिवस 5 में गुलवीर सिंह ने कठिन मौसम के बावजूद पुरुष 10,000 मीटर दौड़ के फाइनल में रजत पदक जीता। गुलवीर सिंह "एशियाई चैंपियन" और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं — यह उनका पहला CWG पदक था। इसी दिन हरजिंदर कौर ने महिला 69 किग्रा भारोत्तोलन में रजत पदक जीता। मुक्केबाजी में प्रीति पवार, प्रिया घांघास और जादुमणि सिंह मंडेंगबाम ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर पदक सुनिश्चित किए। 28 जुलाई तक भारत के कुल 10 पदक (2 स्वर्ण, 5 रजत, 3 कांस्य) हो गए थे।
संदर्भ: olympics.com India CWG Day 5, 28 July 2026;

प्र.3. "मुझे जीना है" (हिंदी) और "I Am Malala" (अंग्रेजी) किस पाकिस्तानी शिक्षा कार्यकर्ता की आत्मकथा है जिन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: मलाला युसूफजई
व्याख्या: "I Am Malala" (2013) पाकिस्तान की युवा शिक्षा कार्यकर्ता मलाला युसूफजई की आत्मकथा है जो Christina Lamb के साथ लिखी गई। मलाला का जन्म 12 जुलाई 1997 को पाकिस्तान के स्वात जिले में हुआ। 2012 में तालिबान ने उन्हें सिर में गोली मारी — किंतु वे बचकर और भी दृढ़ता से शिक्षा के अधिकार के लिए लड़ने लगीं। 2014 में 17 वर्ष की आयु में वे नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाली सबसे कम आयु की व्यक्ति बनीं। "मलाला फंड" लड़कियों की शिक्षा के लिए कार्यरत है। मानव तस्करी और बाल विवाह के विरुद्ध उनकी आवाज़ 30 जुलाई के संदर्भ में विशेष प्रासंगिक है।
संदर्भ: मलाला युसूफजई — "I Am Malala", 2013; Nobel Peace Prize Records 2014;

प्र.4. "जल चक्र" (Water Cycle) में कौन-कौन सी प्रक्रियाएँ सम्मिलित होती हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: वाष्पीकरण, संघनन, वर्षण, भौमजल पुनर्भरण
व्याख्या: "जल चक्र" (Water Cycle/Hydrological Cycle) वह सतत प्रक्रिया है जिसके द्वारा पृथ्वी पर जल का स्थानांतरण होता है। इसके मुख्य चरण: (1) वाष्पीकरण (Evaporation): सूर्य की ऊष्मा से समुद्र, नदी, झीलों का जल वाष्प बनता है; (2) वाष्पोत्सर्जन (Transpiration): पौधों की पत्तियों से जलवाष्प निकलती है; (3) संघनन (Condensation): जलवाष्प ऊपर जाकर ठंडी होती है और बादल बनते हैं; (4) वर्षण (Precipitation): वर्षा, हिमपात, ओलावृष्टि के रूप में जल धरती पर आता है; (5) भूमि जल प्रवाह एवं पुनर्भरण: जल मिट्टी में रिसकर भौमजल (Groundwater) भरता है। जलवायु परिवर्तन से इस चक्र में व्यवधान पड़ रहा है।
संदर्भ: NCERT Science Class 7, Ch 16 Water A Precious Resource, p. 196–199;

प्र.5. मुगल सम्राट अकबर के नवरत्नों में से किसने "आइने अकबरी" और "अकबरनामा" की रचना की? (इतिहास)
उत्तर: अबुल फजल
व्याख्या: "अकबरनामा" और "आइने अकबरी" (आइन-ए-अकबरी) — ये दोनों रचनाएँ मुगल सम्राट अकबर के दरबारी विद्वान और उनके नवरत्नों में से एक "अबुल फजल" (अबू'ल-फज़्ल) द्वारा लिखी गईं। "अकबरनामा" में अकबर के जीवन और शासनकाल का विस्तृत विवरण है। "आइने अकबरी" मुगल साम्राज्य की प्रशासनिक, सामाजिक और आर्थिक संरचना का विश्वकोश है। यह तत्कालीन भारत की कृषि, उद्योग, कर-व्यवस्था और जनसंख्या का अनूठा ऐतिहासिक दस्तावेज़ है। अकबर के अन्य नवरत्नों में तानसेन (संगीत), बीरबल (बुद्धि), राजा टोडरमल (राजस्व) और राजा मानसिंह (सेना) प्रमुख थे।
संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 4 The Mughal Empire, p. 47–50.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "मानसून" की दिशा में भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून (Winter Monsoon) मुख्यतः किस राज्य में वर्षा देता है? (भूगोल)
उत्तर: तमिलनाडु
व्याख्या: भारत में दो प्रमुख मानसून हैं: (1) "दक्षिण-पश्चिम मानसून" (जून-सितंबर) — जो भारत की लगभग 75-80% वर्षा देता है और केरल से प्रवेश करता है; (2) "उत्तर-पूर्वी मानसून" (अक्टूबर-दिसंबर) — जिसे "शीतकालीन मानसून" भी कहते हैं। यह मुख्यतः तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के पूर्वी तट (कोरोमंडल तट) पर वर्षा देता है। इसीलिए जब शेष भारत में शुष्क शीत ऋतु होती है, तब तमिलनाडु में वर्षा होती है। चेन्नई की वार्षिक वर्षा का अधिकांश हिस्सा उत्तर-पूर्वी मानसून से प्राप्त होता है। "चेरापूँजी" (मेघालय) दक्षिण-पश्चिम मानसून से सर्वाधिक वर्षा पाता है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 4 Climate, p. 36–38;

प्र.7. भारत के "महान्यायवादी" (Attorney General of India) की नियुक्ति कौन करता है और वे किस अनुच्छेद के अंतर्गत पद धारण करते हैं? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: राष्ट्रपति; अनुच्छेद 76
व्याख्या: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76 के अंतर्गत "महान्यायवादी" (Attorney General of India — AGI) की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। वह भारत सरकार का सर्वोच्च कानूनी अधिकारी होता है। AGI वह व्यक्ति होना चाहिए जो सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने की योग्यता रखता हो। वे संसद के दोनों सदनों में बोल सकते हैं किंतु मत नहीं दे सकते। AGI राष्ट्रपति के प्रसाद-पर्यंत पद धारण करते हैं। इनसे नीचे "सॉलिसिटर जनरल" और "अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल" होते हैं। राज्य स्तर पर "महाधिवक्ता" (Advocate General, अनु.165) समान भूमिका निभाते हैं।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 6 Judiciary, p. 109;

प्र.8. मानव शरीर में "इंसुलिन" हार्मोन की कमी से कौन सा रोग होता है? (विज्ञान)
उत्तर: मधुमेह (Diabetes Mellitus)
व्याख्या: "इंसुलिन" (Insulin) अग्न्याशय (Pancreas) की "लैंगरहैंस की द्वीपिकाओं" के बीटा-कोशिकाओं द्वारा स्रावित एक महत्वपूर्ण हार्मोन है। इसका प्रमुख कार्य रक्त में ग्लूकोज की मात्रा को नियंत्रित करना है — यह कोशिकाओं को ग्लूकोज ग्रहण करने में सहायता करता है। जब इंसुलिन पर्याप्त नहीं बनती (Type-1 Diabetes) या कोशिकाएँ इसके प्रति प्रतिरोधी हो जाती हैं (Type-2 Diabetes) तो रक्त में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है — इस स्थिति को "मधुमेह" (Diabetes Mellitus) कहते हैं। भारत में 10 करोड़ से अधिक मधुमेह रोगी हैं — इसीलिए भारत को "मधुमेह की राजधानी" कहा जाता है। इंसुलिन का टीका इसके उपचार में प्रयुक्त होता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 7 Control and Coordination, p. 113–114;

प्र.9. "लंबाणी कशीदाकारी" (Lambani Embroidery) किस राज्य की आदिवासी महिलाओं की कला है जिसे UNESCO ने अमूर्त विरासत में शामिल किया? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: कर्नाटक
व्याख्या: "लंबाणी कशीदाकारी" (Lambani Embroidery/Banjara Needlework) कर्नाटक के "लंबाणी" (बंजारा) खानाबदोश जनजाति की महिलाओं द्वारा की जाने वाली एक अनूठी सुई-कढ़ाई कला है। इसमें चमकीले दर्पण (Mirrors), रंगीन धागे, मोती और सिक्के आदि का उपयोग करके कपड़े पर जटिल ज्यामितीय और प्राकृतिक आकृतियाँ बनाई जाती हैं। यह मुख्यतः कर्नाटक के गडग, बेल्लारी और कोप्पल जिलों में प्रचलित है। UNESCO ने दिसंबर 2021 में इसे "मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत" की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। इसे GI Tag भी प्राप्त है। "कशीदाकारी" के लिए प्रसिद्ध अन्य भारतीय परंपराओं में लखनऊ की चिकनकारी और कश्मीर की जरदोजी सम्मिलित हैं।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 10 Folk and Tribal Art, p. 148;

प्र.10. "कारगिल विजय दिवस" (26 जुलाई) से जुड़े "ऑपरेशन विजय" (1999) में बिहार रेजिमेंट ने किस महत्वपूर्ण चोटी को पुनः प्राप्त किया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: टाइगर हिल
व्याख्या: 1999 के कारगिल युद्ध (ऑपरेशन विजय) में "टाइगर हिल" (5,307 मीटर) की पुनः प्राप्ति इस युद्ध की सबसे निर्णायक घटना थी। बिहार रेजिमेंट की बटालियनों ने कारगिल सेक्टर में अत्यंत दुर्गम पहाड़ी इलाके में वीरतापूर्वक लड़कर पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ा। 26 जुलाई 1999 को "ऑपरेशन विजय" के सफल समापन की घोषणा हुई जिसे "कारगिल विजय दिवस" के रूप में मनाया जाता है। बिहार रेजिमेंट की स्थापना 1941 में हुई थी और इसका केंद्र दानापुर छावनी (पटना) में है। इस रेजिमेंट के अनेक जवानों ने कारगिल में वीरगति पाई जो चंपारण सहित बिहार के अनेक जिलों के निवासी थे।
संदर्भ: Bihar Regiment Centre Danapur; Kargil War Official Records 1999;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत अगस्त माह के "भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल" में बताई गई "भूकंप के बाद" (Post-Earthquake) की तत्काल क्या सावधानी रखनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: भवन से बाहर निकलें, खुले में रहें, आफ्टरशॉक से सावधान रहें

व्याख्या: BSDMA के भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल (अगस्त W1-W2) के अनुसार, भूकंप के मुख्य झटके रुकने के बाद बच्चों और शिक्षकों को: (1) तुरंत भवन से बाहर निकलें: टूटी दीवारें, गिरती छत का खतरा अभी भी रहता है; (2) खुले मैदान में जाएँ: बिजली के खंभों, पेड़ों और भवनों से दूर; (3) आफ्टरशॉक (After-Shock) से सावधान: मुख्य भूकंप के बाद छोटे झटके आते हैं — इनमें भी "Drop-Cover-Hold" की मुद्रा अपनाएँ; (4) दरवाजे-खिड़कियाँ सावधानी से खोलें: धुएँ या आग की जाँच करें; (5) घायलों की सहायता करें: प्राथमिक चिकित्सा दें और NDRF/SDRF को सूचित करें; (6) अफवाह न फैलाएँ: केवल आधिकारिक सूचनाओं का पालन करें।

संदर्भ: BSDMA Earthquake Safety Module August W1–W2;

प्र.12. एक कक्षा में 40% लड़कियाँ हैं। यदि कक्षा में 18 लड़के हों, तो कुल कितने विद्यार्थी हैं और लड़कियों की संख्या कितनी है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: कुल 30 विद्यार्थी; 12 लड़कियाँ

व्याख्या: लड़कियाँ = 40%, अतः लड़के = 60%। माना कुल विद्यार्थी = x। शर्त: 60% of x = 18 → 60x/100 = 18 → x = 18×100/60 = 30। लड़कियाँ = 40% of 30 = 12। सत्यापन: 18 (लड़के) + 12 (लड़कियाँ) = 30 ✓; 12/30 × 100 = 40% ✓। यह "प्रतिशत पर आधारित रैखिक समीकरण" का एक मानक प्रश्न है। ऐसे प्रश्न BPSC, SSC, Railway Maths एवं Bank PO परीक्षाओं में अनिवार्यतः पूछे जाते हैं। सूत्र: यदि % दिया हो और मान भी दिया हो → कुल = (मान × 100) ÷ प्रतिशत।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities — Percentage, p. 156–161

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

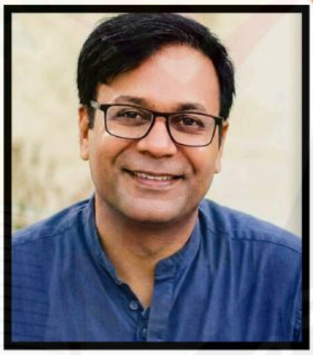

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Substantiate (सब्स्टैन्शिएट) = Prove (प्रूव) = प्रमाणित करना / पुष्टि करना
Antonym – Refute (रिफ्यूट) = खंडन करना
Terse (टर्स) = Brief (ब्रीफ) = संक्षिप्त / कम शब्दों वाला
Antonym – Verbose (वर्बोस) = शब्दाडंबरपूर्ण / बहुत अधिक शब्दों वाला
Unravel (अनरैवल) = Solve (सॉल्व) = सुलझाना / रहस्य खोलना
Antonym – Complicate (कॉम्प्लिकेट) = जटिल बनाना
Vigilant (विजिलेन्ट) = Watchful (वॉचफुल) = सतर्क / चौकस
Antonym – Negligent (नेग्लिजेन्ट) = लापरवाह
Wary (वेरी) = Cautious (कॉशस) = सावधान / सतर्क
Antonym – Reckless (रेकलेस) = लापरवाह / उतावला

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National Semiconductor Mission Phase-IV' to Establish Advanced Foundry Clusters and R&D Hubs.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने उन्नत फाउंड्री क्लस्टर और आरएंडडी (R&D) हब स्थापित करने के लिए 'राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन चरण-IV' का अनावरण किया।
भारत को वैश्विक चिप विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण की घोषणा की है। इस नीति के तहत advanced चिप डिज़ाइनिंग, ऑटोमोटिव सेमीकंडक्टर्स और सिलिकॉन वेफर फैब्रिकेशन के लिए स्टार्टअप्स व वैश्विक कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाएगा।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Urban Freight Index 2026', Highlighting State Performance in Electric Logistics Networks.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय सतत शहरी मालवहन सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें इलेक्ट्रिक रसद नेटवर्क में राज्यों के प्रदर्शन को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में शहरी माल ढुलाई में कार्बन उत्सर्जन कम करने और वाणिज्यिक बेड़े के विद्युतीकरण (EV Fleet Transition) के मामले में तमिलनाडु, महाराष्ट्र और गुजरात ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह सूचकांक भारतीय शहरों में हरित आपूर्ति श्रृंखला (Green Supply Chain) विकसित करने के प्रयासों का मूल्यांकन करता है।

English Headline: ISRO Successfully Completes Flight Acceptance Hot Test of Indigenously Developed Methane-Fueled Engine for Next-Gen Reusable Launchers.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने अगली पीढ़ी के पुनरुप्रयोज्य प्रक्षेपक वाहनों के लिए स्वदेशी रूप से विकसित मीथेन-ईंधन वाले इंजन का उड़ान स्वीकृति हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में लिक्विड मीथेन और लिक्विड ऑक्सीजन (Methalox) से चलने वाले हरित इंजन का सफल परीक्षण किया। यह पर्यावरण-अनुकूल तकनीक भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों की लागत में भारी कमी लाएगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Milestone Resolution Establishing International Regulatory Framework for Space Debris Mitigation.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतरिक्ष मलबे को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियामक ढांचा स्थापित करने वाला ऐतिहासिक प्रस्ताव अपनाया।
न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने पृथ्वी की निम्न कक्षा (LEO) को सुरक्षित रखने के लिए एक बहुपक्षीय समझौते को मंजूरी दी। इस समझौते के तहत व्यावसायिक उपग्रह ऑपरेटरों के लिए सेवा समाप्त होने के बाद उपग्रहों को कक्षा से सुरक्षित रूप से हटाने (De-orbiting) के कड़े नियम लागू किए गए हैं।

English Headline: World Bank and Asian Infrastructure Investment Bank Announce Joint $2.2 Billion Clean Energy Transmission Fund for South Asia.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक ने दक्षिण एशिया के लिए $2.2 बिलियन के संयुक्त स्वच्छ ऊर्जा संचरण कोष की घोषणा की।
दक्षिण एशियाई क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन घटाने और अक्षय ऊर्जा क्षमताओं को ग्रिड से एकीकृत करने के लिए एक बड़ा वित्तीय पैकेज जारी किया गया है। इस राशि का मुख्य उपयोग भारत, नेपाल और बांग्लादेश के बीच सीमा पार ट्रांसमिशन लाइनों के आधुनिकीकरण के लिए किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global One Health Surveillance Grid' to Counter Zoonotic Climate Health Threats.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जुनोटिक जलवायु स्वास्थ्य जोखिमों से निपटने के लिए 'ग्लोबल वन हेल्थ निगरानी ग्रिड' की शुरुआत की।
जलवायु परिवर्तन के कारण पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों (Zoonotic Diseases) के बढ़ते खतरे को देखते हुए डब्ल्यूएचओ ने जिनेवा में एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है, जो पशु और मानव स्वास्थ्य डेटा का एक साथ विश्लेषण कर पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Incubation Policy 2026' to Provide Subsidized Capital and Infrastructure to Agro-Startups.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने कृषि-स्टार्टअप्स को रियायती पूंजी और बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-इनक्यूबेशन नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य में कृषि-आधारित उद्योगों को आधुनिक दिशा देने के लिए बिहार सरकार ने वित्तीय और तकनीकी सहायता पैकेज को स्वीकृति दी है। इसके तहत मखाना, शाही लीची और दलहनी फसलों के प्रसंस्करण और निर्यात से जुड़े नए एग्रीटेक स्टार्टअप्स को राज्य सरकार द्वारा सीड फंडिंग और रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging and Satellite Mapping of Wetland Ecosystems.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्रों की जियो-टैगिंग और उपग्रह मैपिंग शुरू की।
उत्तर और पूर्वी बिहार के पारंपरिक जल निकायों और आर्द्रभूमियों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने इसरो के सुदूर संवेदन (Remote Sensing) आंकड़ों का उपयोग कर मैपिंग अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक जल निकायों के अतिक्रमण को रोकना और जल संचयन को मजबूती प्रदान करना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Shooting Squad Tops Medal Tally at ISSF World Cup Stage with Gold-Heavy Performance in Pistol Events.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय निशानेबाजी दल ने पिस्टल स्पर्धाओं में स्वर्ण-प्रधान प्रदर्शन के साथ आईएसएसएफ (ISSF) विश्व कप चरण की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय निशानेबाजों ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धाओं में कई स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इस प्रदर्शन ने आगामी वैश्विक प्रतियोगिताओं के लिए भारत की स्थिति को मजबूत किया है।

English Headline: International Cricket Council (ICC) Formally Integrates AI-Powered Smart-Review System for Rapid Boundary Line Decisions.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने त्वरित बाउंड्री लाइन फैसलों के लिए एआई-संचालित स्मार्ट-रिव्यू प्रणाली को औपचारिक रूप से एकीकृत किया।
क्रिकेट मैचों में समय की बचत और अंपायरिंग फैसलों को पूरी तरह से सटीक बनाने के लिए आईसीसी ने अपनी खेल नियमावली में सुधार किया है। नए तकनीकी अपडेट के तहत सीमा रेखा पर उच्च-सटीक कैमरों और एआई सेंसर का उपयोग किया जाएगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

"सच्चा मित्र"

विद्यालय में दो मित्र थे—अंश और विवेक। दोनों साथ पढ़ते, साथ खेलते और हर काम मिलकर करते थे।

एक दिन गणित की परीक्षा थी। परीक्षा शुरू होने से पहले कुछ बच्चों ने अंश से कहा, "हमने छोटी-सी नकल की पर्ची बना रखी है। अगर कोई प्रश्न न आए, तो इसे देख लेना। किसी को पता भी नहीं चलेगा।"

अंश कुछ सोच ही रहा था कि तभी विवेक ने उसका हाथ पकड़ लिया और बोला, "अच्छे अंक ज़रूरी हैं, लेकिन ईमानदारी उससे भी ज़्यादा ज़रूरी है। अगर आज नकल की, तो अपने आप पर भरोसा कभी नहीं बन पाएगा।"

अंश ने बिना देर किए पर्ची लेने से मना कर दिया।

परीक्षा हुई। प्रश्नपत्र थोड़ा कठिन था। अंश और विवेक ने जितना आता था, उतना ही लिखा। कुछ बच्चों ने छिपकर पर्ची का उपयोग किया।

परीक्षा समाप्त होने पर एक कक्षा निरीक्षक को फर्श पर नकल की पर्ची मिल गई। जाँच हुई तो कुछ छात्र पकड़े गए। उनके अंक रद्द कर दिए गए और उन्हें दोबारा परीक्षा देनी पड़ी।

अगले दिन प्रार्थना सभा में प्रधानाचार्य ने कहा, "आज मैं दो ऐसे विद्यार्थियों की सराहना करना चाहता हूँ जिन्होंने आसान लेकिन गलत रास्ते के बजाय कठिन लेकिन सही रास्ता चुना।"

उन्होंने अंश और विवेक को मंच पर बुलाया। पूरे विद्यालय ने तालियों से उनका स्वागत किया।

प्रधानाचार्य ने कहा, "सच्चा मित्र वह नहीं जो गलती में साथ दे, बल्कि वह है जो गलत रास्ते पर कदम बढ़ाने से पहले हमें रोक दे।"

सम्मान प्राप्त करते समय अंश ने मुस्कुराकर कहा, "विवेक, अगर उस दिन तुमने मुझे नहीं समझाया होता, तो शायद मैं भी गलती कर बैठता।"

विवेक ने उत्तर दिया, "मित्रता की असली पहचान यही है कि हम एक-दूसरे के भविष्य और चरित्र, दोनों की रक्षा करें।"

उस दिन सभी विद्यार्थियों ने निश्चय किया कि वे जीवन में कभी भी सफलता के लिए गलत रास्ता नहीं अपनाएँगे।

शिक्षा: सच्ची मित्रता वही है, जो हमें गलत काम से रोककर सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे।

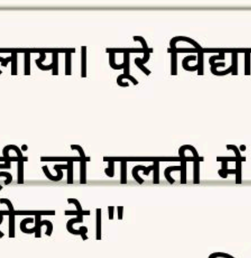

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : लखीसराय, अंक–2"

'संपादकीय'✍️

लखीसरायः प्राचीन कृमिळा का पुरातात्विक वैभव, अशोकधाम का शिवत्व और स्वाधीनता संग्राम

लखीसराय का इतिहास केवल प्रशासनिक सीमाओं में नहीं सिमटा है, बल्कि इसकी जड़ें पाल साम्राज्य और गुप्तकालीन स्थापत्य के स्वर्णिम युग से जुड़ी हैं। 8वीं से 12वीं शताब्दी के दौरान यह क्षेत्र पाल साम्राज्य का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रशासनिक, सैन्य और धार्मिक केंद्र था, जिसे प्राचीन अभिलेखों में 'कृमिळा विषय' (Krimila Visaya) के नाम से जाना जाता था। यहाँ के वलीपुर और लाली पहाड़ी से प्राप्त खंडित बौद्ध मूर्तियों, अभिलेखों और मुहरों से यह सिद्ध होता है कि यह स्थल केवल एक सैन्य प्रशासनिक इकाई नहीं था, बल्कि बौद्ध और सनातन धर्म के महान विद्वानों की एक विशाल ज्ञान-स्थली भी था जो सीधे नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालयों के नेटवर्क से जुड़ी हुई थी।

पुरातात्विक और धार्मिक चेतना के धरातल पर लखीसराय की सबसे विशाल पहचान इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर (अशोकधाम) है। किउल नदी के तट पर स्थित इस ऐतिहासिक धाम में स्थापित काले पत्थर का विशाल शिवलिंग (अष्टकोणीय सहस्रलिंगम) प्रागैतिहासिक स्थापत्य कला का एक बेजोड़ उदाहरण है। लोक-मान्यताओं और ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार, पाल राजा इंद्रद्युम्न के शासनकाल से जुड़े इस पावन धाम का पुनरुद्धार 1977 में हुआ था, जो आज संपूर्ण बिहार ही नहीं बल्कि देश भर के श्रद्धालुओं के लिए अगाध शिव-आस्था का मुकुटमणि है। इसके साथ ही, हाल ही में लाली पहाड़ी (Lali Pahari) पर हुए पुरातात्विक उत्खनन से मिले बौद्ध महाविहार के अवशेषों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतिहासकारों का ध्यान आकर्षित किया है, जहाँ किसी पहाड़ी की चोटी पर स्थित ऐसा विशिष्ट बौद्ध मठ भारत में विरला ही देखने को मिलता है।

ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लखीसराय का इतिहास स्वाभिमान और अदम्य प्रतिरोध की गाथाओं से भरा हुआ है। बड़हिया टाल का काश्तकारी आंदोलन (1936-1939) भारतीय किसान आंदोलनों के इतिहास में एक मील का पत्थर है। पंडित कार्यानंद शर्मा के नेतृत्व में टाल क्षेत्र के बेदखल किसानों और बकाश्त ज़मीनों के हक के लिए लड़े गए इस संगठित सत्याग्रह ने जमींदारी उत्पीड़न की नींव हिला दी थी। इस आंदोलन की आग ने न केवल बिहार के किसान वर्ग को अपने अधिकारों के लिए जगाया, बल्कि संपूर्ण देश में 'किसान सभा' के प्रभाव को नई धार प्रदान की।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के आधुनिक इतिहास में 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान लखीसराय क्रांति का एक उबलता हुआ केंद्र था। किउल रेलवे जंक्शन, जो अंग्रेजों के लिए पूर्वोत्तर भारत में सैन्य रसद भेजने का मुख्य मार्ग था, पर यहाँ के स्थानीय क्रांतिकारियों ने धावा बोलकर संचार और रेल व्यवस्था को पूरी तरह ठप कर दिया था। सूर्यगढ़ा और बड़हिया के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों को चुनौती देते हुए कई अनसुने नायकों ने अपनी गिरफ्तारियाँ दीं और अपने रक्त से स्वतंत्रता की बलिवेदी को सींचा।

लखीसराय का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की माटी में पुरातात्विक वैभव, शिव-साधना का आभामंडल और अन्याय के खिलाफ शंखनाद करने वाला जुझारू चरित्र एक साथ विद्यमान है। लाली पहाड़ी के बौद्ध स्तूपों की शांति हो, अशोकधाम में गूँजती हर-हर महादेव की ध्वनि हो या बड़हिया टाल का ऐतिहासिक किसान आंदोलन—ये सभी तत्व मिलकर लखीसराय को भारतीय इतिहास और जन-प्रतिरोध का एक अमर अध्याय बनाते हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"
शैलेन्द्र कुमार एवं अभिषेक कुमार

दैनिक जागरण

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानि

डीएम से सम्मान प्राप्त करते शिक्षक • सौ. स्वयं

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा : विभाग के द्वारा प्रधान शिक्षकों की तैनाती के बाद विद्यालयों का शैक्षणिक माहौल न सिर्फ बेहतर हुआ है बल्कि बच्चों की उपस्थिति भी बढ़ी है। सच्ची कर्तव्यनिष्ठा और दूरगामी सोच की बदौलत कई शिक्षक अपने विद्यालयों का माहौल बदलने में सफल हो रहे। इसी कड़ी में प्रशासनिक स्तर पर बेहतरीन कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा ताकि दूसरे इससे प्रेरणा ले और बेहतर करने के लिए प्रेरित हों। शनिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पित सेवा के लिए बगहा दो प्रखंड के दो शिक्षकों क्रमशः शैलेन्द्र कुमार और अभिषेक कुमार को रमना स्थित हाडिटोरियम हाल में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में ज़िला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह जिले के उत्कृष्ट कर्मियों के उत्साहवर्धन के लिए आयोजित किया गया था। जिलाधिकारी ने सभी चयनित कर्मियों प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए इन दोनों शिक्षकों का चयन पूरे जिले की समीक्षा के बाद किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर तथा अभिषेक कुमार। राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला बगहा दो के प्रधान शिक्षक हैं। सम्मानित शिक्षकों ने कहा कि इस प्रशस्ति-पत्र ने यह साबित कर दिया है कि निष्ठा, कड़ी मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण कभी बेकार नहीं जाता। दोनों प्रधान शिक्षकों ने अपने नवाचारी विचारों और उत्कृष्ट कार्यशैली से न केवल अपने विद्यालयों की तस्वीर बदली, बल्कि पूरे बगहा दो प्रखंड का मान पूरे जिले में बढ़ाया। इस दोहरी सफलता पर शिक्षा जगत में खुशी लहर दौड़ गई है। स्थानीय शि ग्रामीणों और शिक्षा विभाग अधिकारियों ने दोनों सम्म शिक्षकों को बधाई दी।

प्रशस्ति पत्र दिखाते शिक्षक • सौ. स्वयं

हिन्दुस्तान

बेहतर काम के लिए डीएम ने दो शिक्षकों को किया सम्मानित

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान शिक्षक को सम्मानित करते डीएम।

बगहा, हमारे संवाददाता। जब लगन सच्ची हो और कुछ नया करने का इरादा हो तो मार्ग खुद ब खुद ही मिल जाता है। कुछ इसी प्रकार का मामला बगहा दो प्रखड के दो शिक्षकों का है। पिछले दिनों हुए समारोह कार्यक्रम के दौरान डीएम ने जिले के 18 प्रखंडो के सैकड़ों शिक्षकों के बीच से बगहा दो के दो शिक्षकों को बेहतर करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम रमना स्थित ऑडिटोरियम हॉल में हुआ था। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में पूरे जिले से शिक्षा के क्षेत्र में बगहा-2 के दो प्रधान शिक्षकों का चयन किया गयस था इसमें पीएम बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार व पीएस करमाहा थारु टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार शामिल थे। सोमवार को शिक्षको ने बताया कि सुदुर ग्रामीण व थारू बाहुल्य क्षेत्रों के विद्यालयों में पठन-पाठन का माहौल बदलकर, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने और प्रशासनिक स्तर पर मिसाल कायम करने के लिए उन्हें यह 'प्रशस्ति-पत्र' प्रदान किया गया है।

18 प्रखंडों के शिक्षकों में किया गया चयन

दैनिक भास्कर — बेतिया भास्कर 27-07-20

जिले के सम्मान मंच पर चमका बगहा-2, शिक्षक सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | बगहा

शैलेन्द्र कुमार अभिषेक कुमा

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार की दिशा में बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों को जिला स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। बेतिया के रमना ऑडिटोरियम में शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पूरे पश्चिम चंपारण जिले में केवल बगहा-2 के ही दो प्रधान शिक्षकों का चयन हुआ। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेंद्र कुमार तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। दोनों शिक्षकों को विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने त बेहतर शैक्षणिक वातावर विकसित करने के लिए सम्मान मिला। डीएम एवं विभ ने इनके कार्यों को अ विद्यालयों के लिए अनुकरणी बताया। पूरे जिले से शिक्षा विभ में सिर्फ दो प्रधान शिक्षकों सम्मानित होना बगहा-2 के लि विशेष उपलब्धि माना जा रहा इससे यह संदेश भी गया है सीमित संसाधनों के बावज सरकारी विद्यालयों में बेहतर क करने वाले शिक्षकों की पहच और सराहना हो रही है।

बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री शैलेन्द्र कुमार

पदनाम प्रधानाध्यापक विभाग/शाखा रा० प्रा० वि० बोदसर बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

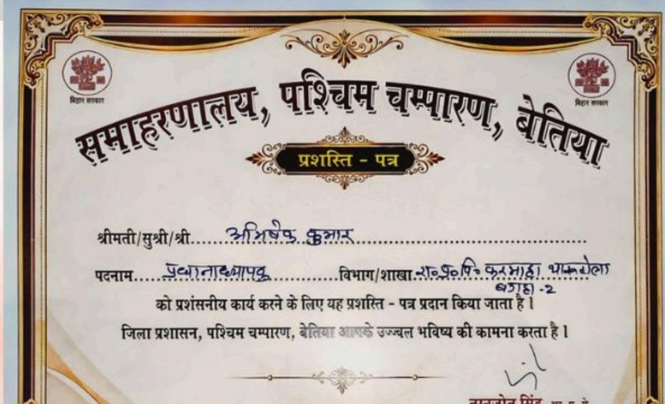
बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री अभिषेक कुमार

पदनाम प्रधानाध्यापक विभाग/शाखा रा० प्रा० वि० करमाहा थारूटोला बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org